

डॉ. डैनियल के. डार्को, जेल पत्र, सत्र 7, समापन, कुलुस्सियों 4

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैन डार्को जेल पत्रों पर अपनी व्याख्यान श्रृंखला में बोल रहे हैं। यह सत्र 7, समापन, कुलुस्सियों 4 है।

जेल पत्रों पर बाइबिल अध्ययन व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है।

मुझे उम्मीद है कि अब तक आपको हमारे साथ कुलुस्सियों नामक इस अद्भुत पत्र का अध्ययन करने में मज़ा आया होगा। हमने अब तक कुलुस्सियों में कुछ बातों को कवर किया है। हमने परिचयात्मक सामग्री को पढ़ा है और अध्याय एक, अध्याय दो और अध्याय तीन को कवर किया है।

जैसा कि आप अध्याय दो और अध्याय तीन का अनुसरण करते हैं, आपने शायद देखा होगा कि पौलुस ने चर्च में आंतरिक मुद्दों को संबोधित करना शुरू कर दिया। उसने कुछ बातों पर प्रकाश डाला। उसने स्पष्ट किया कि उसका मुख्य उद्देश्य क्या है।

और अगर आपको याद हो कि मैंने कई बार अजीब लहजे में कहा है, तो जैसे तुमने प्रभु यीशु मसीह को ग्रहण किया है, वैसे ही उसमें चलो। वह झूठी शिक्षा के कुछ तत्वों की रूपरेखा तैयार करता है और चर्च को उनके विश्वास के अनुसार जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। तीसरे अध्याय का अंतिम भाग जिस पर हमने चर्चा की है, वह घरेलू रिश्तों से संबंधित है।

आपने शायद इस प्रक्रिया में एक मज़ेदार शब्द देखा होगा: हौस्टाफ़ेल। हौस्टाफ़ेल घरेलू नियमों जैसे घरेलू नियमों के लिए जर्मन शब्द है। विद्वान इस शब्द का इस्तेमाल पॉल की चर्चाओं या घरेलू रिश्तों पर नए नियम की चर्चा को व्यक्त करने के लिए करते हैं।

पॉल ने उस आंतरिक प्रवचन को परिवारों के लिए एक साथ काम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए समाप्त किया, सभी को मसीह के प्रभुत्व की छत्रछाया में और मसीह की आत्मा में, ताकि एकजुटता, सौहार्द और शालीनता हो जो वास्तव में समाज को उन वास्तविक गुणों के बारे में बताएगी जो ईसाइयों के पास हैं। अध्याय चार, पद दो में, हम अब एक बड़ा बदलाव देखते हैं जहाँ पॉल अपने पत्र को समाप्त करते समय बाहर की ओर देखने जा रहा है। यही वह जगह है जहाँ हम आज ध्यान केंद्रित करेंगे, पॉल की अंतिम चेतावनियों और समापन टिप्पणियों को देखते हुए।

शायद मैं आपको कुछ मार्कर दे दूँ। कभी-कभी मैं इसे लाइट बल्ब कहता हूँ। कभी-कभी, मैं इसे प्लैशलाइट कहता हूँ ताकि जब हम इस परीक्षण को देखना शुरू करें तो आपके दिमाग में यह बात गूँजती रहे।

एक, जब हम आयत 2 से 18 को देखते हैं, 18 कुलुस्सियों की आखिरी आयत है, तो परीक्षण में होने वाली इन तीन बातों पर ध्यान दें। सबसे पहले, तथ्य यह है कि पौलुस सीधे अपील करने जा रहा है कि कुलुस्सियों को लिखे उसके पत्र को पढ़ने के लिए किसी अन्य चर्च को भेजा जाना चाहिए। वास्तव में, पॉलिन लेखन में यह बहुत ही असामान्य है।

मैं आपसे यह भी अनुरोध करूँगा कि पॉल जिस तरह से व्यक्तिगत अभिवादन लिखते हैं, उसके बारे में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ करें। शायद अब तक, यह आपके नए नियम के पढ़ने के सबसे उबाऊ भागों में से एक है। मुझे उम्मीद है कि आज आप नए नियम के इस भाग को वास्तव में पसंद करने के लिए एक नया जुनून जगाएँगे।

जैसा कि आप व्यक्तिगत अभिवादन को देखते हैं, उन विवरणों को भी देखें जिन्हें पॉल इसमें लाता है क्योंकि वे विवरण दो चीजों को दर्शाते हैं। जैसा कि आपको याद है, कुलुस्सियों पर चर्चा की शुरुआत में, हमने इस मुद्दे पर चर्चा की कि क्या पॉल कुलुस्सियों का लेखक था या नहीं। जैसा कि आप अध्याय चार में उनके द्वारा लाए गए व्यक्तिगत विवरणों को देखते हैं, आप पूछना चाहेंगे, अगर पॉल यह पत्र नहीं लिख रहा था, तो क्या कोई व्यक्ति यह जानकारी किसी ऐसे चर्च को समझाने या राजी करने के लिए दे रहा था जिसमें ऐसे लोग थे जो पॉल को जानते थे या जो पॉल की सेवकाई के बारे में जानते थे, ताकि उन्हें विश्वास दिलाया जा सके कि किसी तरह पॉल इसे लिख रहा था? क्या यह संभव है कि पॉल इस चर्चा में जो विवरण लाता है, अगर पॉल नहीं लिख रहा होता, तो वास्तव में इस पत्र को आगे बढ़ाने के लिए पॉल के पीछे छिपे व्यक्ति को धोखा दे सकता है? या, इस तथ्य के बारे में सोचें कि, और यही मेरा मानना है, ये विवरण इस तथ्य की ओर पुष्टि करते हैं कि पॉल के अलावा कोई भी इस पत्र को नहीं लिख सकता है।

और यदि पौलुस ने हर विवरण नहीं लिखा है, जैसा कि हम पद 18 में देखते हैं, तो शायद पौलुस अपने किसी मित्र के साथ मिलकर लिख रहा था, जैसा कि उसने अपने कई पत्रों के लिए किया था, उदाहरण के लिए कुरिन्थियों सहित। जब आप उन दो आरंभिक टिप्पणियों को करते हैं, तो वहाँ तीसरी टिप्पणी पर ध्यान दें। ध्यान दें कि पौलुस किस तरह आध्यात्मिक अनुशासन पर जोर देता है।

ध्यान दें कि वह पाठक का ध्यान ईसाई जीवन के प्रति समर्पण की ओर कैसे आकर्षित करता है। साथ ही, आप यह भी देखना चाहेंगे कि पॉल रिश्तों में कैसे दिलचस्पी रखता है। फिर से, यदि आप इस पर ध्यान देने जा रहे हैं या इसे अपने दिमाग में रखते हैं, तो आप वास्तव में पॉल के अभिवादन में जो चल रहा है, उसे पसंद करना शुरू कर देंगे।

या, मैं आपको प्रोत्साहित करना चाहता हूँ कि आप उन्हें पसंद करना शुरू करें। तो, आइए इस अंश के पहले भाग को देखना शुरू करें। अध्याय 4 की आयत 2 में लिखा है, प्रार्थना में दृढ़ बने रहो, धन्यवाद के साथ जागते रहो।

यह सरल आयत, जैसा कि अक्सर देखा जाता है, वही है जिसे मैंने प्रार्थना और अनुशासन के लिए हिचकिचाहट कहा है। पौलुस वास्तव में प्रार्थना में बने रहने के लिए शब्द का उपयोग नहीं करता है। इस शब्द का अनुवाद प्रार्थना के लिए खुद को समर्पित करना हो सकता है।

इसीलिए, आपके अंग्रेजी अनुवाद में, आप पा सकते हैं कि अलग-अलग विद्वान उस अभिव्यक्ति का अलग-अलग अनुवाद कर रहे हैं। विचार यह है कि पॉल वास्तव में इस तथ्य को स्थापित कर रहा है कि यह एक बार की घटना नहीं है, बल्कि यह कुछ ऐसा होना चाहिए जो जारी रहना चाहिए। अब, यहाँ ध्यान दें कि यह आंतरिक चर्चा और वह क्या करने जा रहा है, के बीच एक जोड़ने वाला कारक है, क्योंकि इस समय उसका ध्यान बाहरी चीजों पर है।

और अंदाज़ा लगाइए कि लिंक क्या है? पॉल प्रार्थना के बारे में बात करेंगे। वाह। आप कितनी बार अंतिम अध्यायों, पॉल के अंतिम कुछ छंदों या पॉलिन लेखन के शुरुआती हिस्सों से प्रार्थना के बारे में चर्चा सुनते हैं? पॉल प्रार्थना में रुचि रखते हैं।

वास्तव में, उन्होंने कुलुस्सियों के पहले अध्याय में ही धन्यवाद देते हुए और प्रार्थना करते हुए शुरुआत की। वे प्रार्थना के साथ समाप्त करते थे। अब, मैं आपको प्रोत्साहित करना चाहता हूँ कि आप यीशु मसीह जैसे लोगों पर भी ध्यान दें।

आप यह भी देखेंगे कि प्रार्थना किस तरह से इन आरंभिक ईसाई नेताओं का हिस्सा रही है। यीशु के मामले में, खास तौर पर हमारे प्रभु, हमारे स्वामी, हमारे उद्धारकर्ता और हमारे आदर्श के रूप में, उन्होंने प्रार्थना से शुरुआत की। क्या आपको याद है कि उन्होंने उपवास और प्रार्थना की और प्रलोभन का सामना किया? क्या आपको वह घटना याद है? क्या आपको सुसमाचार में उनके जीवन के अंत के वृत्तांत भी याद हैं जब उन्होंने प्रार्थना की थी, हे पिता, मैं अपनी आत्मा को आपके हाथों में सौंपता हूँ।

सुसमाचारों के बीच में, यदि आप यीशु के जीवन में भी ध्यान दें, तो वह कितनी बार रुककर प्रार्थना करते थे या कितनी बार वह अपने शिष्यों को प्रार्थना, प्रार्थना के बारे में सिखाते थे, और कभी-कभी वह अपने शिष्यों को बुलाते थे और कहते थे, ठीक है, अब एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने का समय है। और यहाँ तक कि समय के दौरान, वह वास्तव में बाहर जाते थे और अकेले होते थे। पॉल पर लौटने से पहले, आप यह भी देखेंगे कि सबसे कठिन समय में, वह प्रार्थना करने जाते हैं, जैसे कि गेथसेमेन के बगीचे में।

मेरे लिए, पौलुस पर चर्चा में प्रार्थना सबसे कम ज़ोर देने वाले विषयों में से एक है। पौलुस कुलुस्सियों का ध्यान लगातार प्रार्थना में समर्पित रहने की ओर आकर्षित करेगा। जब वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें सही दृष्टिकोण के साथ ऐसा करना चाहिए।

प्रार्थना में सतर्कता की विशेषता होनी चाहिए। वह कहता है, सावधान रहो। पॉल में, सावधान या सतर्क रहने की भाषा में आमतौर पर अंत समय या अंतिम समय के कारण सावधान रहने का निहितार्थ होता है।

यहाँ, ऐसा लगता है कि वह यह सुझाव देने के लिए खुला छोड़ रहे थे कि आपको सतर्क रहना चाहिए, आपको सावधान रहना चाहिए क्योंकि, सबसे पहले, चर्च में झूठे शिक्षक हैं, झूठी शिक्षाओं की घुसपैठ संभव है, और शुरुआती विश्वासी जो झूठी शिक्षाओं और सभी प्रकार की चीजों के प्रभाव के प्रति संवेदनशील या संभावित रूप से संवेदनशील हैं जो प्रभु के योग्य नहीं हैं,

उन्हें सावधान रहना चाहिए, सतर्क रहना चाहिए, प्रार्थना की भावना में अपने आप को उस समय पर रखना चाहिए जब वे ईश्वर को पुकार रहे हैं और अपने जीवन का नेतृत्व करने के लिए उनकी शक्ति और अनुग्रह मांग रहे हैं। सतर्कता से परे दूसरा रवैया कृतज्ञता है। कृतज्ञता।

वाह। मैं आपको पौलुस के इस गुण के बारे में याद दिलाना चाहता हूँ, और मैं आपको कुलुस्सियों में ही दिखाऊँगा कि कैसे पौलुस ने कृतज्ञता को एक महत्वपूर्ण गुण पर ज़ोर देने के लिए लाया है जो मसीहियों में होना चाहिए। लेकिन कृतज्ञता पर जाने से पहले, मैं आपको कुलुस्सियों के अध्याय एक में वापस ले जाऊँगा ताकि आपकी याददाश्त ताज़ा हो जाए कि पौलुस ने प्रार्थना पर ज़ोर देते हुए अपने अंत की शुरुआत कैसे की।

देखिए कि उन्होंने अध्याय एक की तीसरी आयत में कैसे शुरू किया। हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, और हम हमेशा हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, जब हम तुम्हारे लिए प्रार्थना करते हैं, क्योंकि हमने तुम्हारे विश्वास के बारे में सुना है, जो तुम्हारे लिए स्वर्ग में रखी हुई आशा के कारण है। इसके बारे में, तुम सुसमाचार की सच्चाई के वचन से पहले ही सुन चुके हो।

पद तीन पर ध्यान दें: हम हमेशा अपने प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, और वह प्रार्थना करना जारी रखेगा। और फिर उसकी प्रार्थना में, यदि आपको उस पर चर्चा याद है, तो मैंने आपका ध्यान पद 10 या 11 से पौलुस की प्रार्थना की ओर आकर्षित किया, जब वह कहता है, तुम उसकी महिमामय शक्ति के अनुसार सभी सामर्थ्य से बलवन्त हो जाओ ताकि आनन्द के साथ धीरज और धैर्य रख सको, और पिता का धन्यवाद करो जिसने तुम्हें ज्योति में संतों की विरासत में हिस्सा लेने के योग्य बनाया है। उसने हमें अंधकार के प्रभुत्व से छुड़ाया है और अपने प्रिय पुत्र के राज्य में स्थानांतरित किया है जिसमें हमें छुटकारा, हमारे पापों की क्षमा है।

पॉल, पहले ही अध्याय में हमारी प्रार्थना और धन्यवाद को एक साथ लाता है और उन्हें एक साथ जोड़ता है। यहाँ, वह कहता है, प्रार्थना करो, लगातार प्रार्थना करो। आप जानते हैं, हमारे पास एक बाइबल प्रश्नोत्तरी है जो हम करते थे। कभी-कभी, हमारे पास ये बाइबल प्रश्नोत्तरी होती हैं, और हमें मुफ्त बाइबल मिलती है और कभी-कभी हमें याद की गई आयतों को सुनाने के लिए कुछ उपहार मिलते हैं।

मुझे नहीं पता कि आपको ऐसा अनुभव हुआ है या नहीं, लेकिन शायद आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिले हों जिसने आपसे पूछा हो कि बाइबल की सबसे छोटी आयत कौन सी है? हमें यह पंक्ति पसंद है। और आपको यह याद करके आश्चर्य हो सकता है कि वास्तव में, बाइबल की सबसे छोटी आयत वह है जिसमें कहा गया है कि बिना रुके प्रार्थना करो। हमेशा प्रार्थना करो, 1 थिस्सलुनीकियों 5 17।

पॉल की प्रार्थना का लहजा यह है कि वे प्रार्थना की इसी भावना में बने रहें। यह एक बार की घटना नहीं है। प्रार्थना को अपने जीवन का हिस्सा बनने दें।

इसीलिए जब आप ESV या कुछ अन्य अनुवादों को देखते हैं, तो वे वास्तव में उस शब्द को प्रदान करेंगे जो ग्रीक में नहीं है और प्रार्थना में जारी रहेगा। और, बेशक, आत्मा कृतज्ञता है। और अगर आप पॉल और कृतज्ञता की भावना के बारे में भूल जाते हैं, तो मैं आपको अध्याय एक से याद दिलाना चाहता हूँ: उसकी महिमामय शक्ति के अनुसार, सभी धीरज और आनन्द के साथ धैर्य के लिए, आप सभी शक्ति से मजबूत हो जाएँ।

पिता को धन्यवाद देना। दूसरे शब्दों में, उन्हें समझना चाहिए कि उनके जीवन का उदाहरण दिया जाना चाहिए और पिता के प्रति कृतज्ञता की इस भावना के साथ जीना चाहिए जिसने उन्हें प्रकाश में संतों की विरासत में हिस्सा लेने के योग्य बनाया है। यह वही है जिसने हमें अंधकार के क्षेत्र से छुड़ाया है और हमें अपने प्रिय पुत्र के राज्य में स्थानांतरित किया है जिसमें हमें छुटकारा, पापों की क्षमा मिलती है।

यह धन्यवाद और कृतज्ञता के योग्य है। मैं आपको एक और अंश याद दिलाना चाहता हूँ जिसे हम कुलुस्सियों पर इस चर्चा में जल्दी से पढ़ते हैं, जहाँ पौलुस भी धन्यवाद पर जोर देता है। यदि आपको उस व्याख्यान में याद हो तो छंद छह और सात में, मैंने इसे मामले का सार कहा है।

वह विशेष हृदय समस्या उसमें जड़ जमाकर और उसमें निर्माण करके तथा विश्वास में दृढ़ होकर समाप्त होती है, जैसा कि आपको सिखाया गया था, धन्यवाद में बढ़ते रहना, धन्यवाद से परिपूर्ण होना या पूर्ण होना, जैसे ही आप मसीह यीशु में अपनी जड़ें मजबूती से स्थापित करते हैं। अध्याय तीन में, आपको शायद फिर से धन्यवाद के बारे में बात करना याद होगा। पौलुस पद 15 में लिखता है, मसीह की शांति को अपने हृदयों में राज्य करने दो, जिसके लिए तुम वास्तव में एक शरीर में बुलाए गए थे।

और फिर, पद 15 के अंत में, वह फिर से इस आभार या कृतज्ञता को सामने लाता है, और आभारी बनो। और फिर वह पद 16 और फिर पद 17 के साथ आगे बढ़ता है, वह आगे कहता है, और जो कुछ भी तुम वचन या कर्म में करते हो, सब कुछ प्रभु यीशु के नाम से करो, उसके द्वारा परमेश्वर पिता को धन्यवाद देते हुए। आइए हम कुलुस्सियों 4.2, हमारे अंश पर वापस आते हैं।

इसलिए, जब पॉल इस भाग की शुरुआत करता है, कुलुस्सियों में अपनी चर्चा का अंतिम भाग, इस आयत के साथ, प्रार्थना में दृढ़ता से लगे रहो, धन्यवाद के साथ इसमें जागते रहो। आप जानते हैं कि यह एक ईसाई नेता है जो चर्च को कृतज्ञता की भावना रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। आप में से कितने लोग चाँद वालों के साथ घूमना पसंद करते हैं? यह एक अभिव्यक्ति है जिसका इस्तेमाल हम इंग्लैंड में करते थे। अमेरिका में, मैंने सीखा है कि कभी-कभी हम क्रोधी लोगों की अभिव्यक्ति का उपयोग करते हैं।

आप जानते हैं, कभी-कभी, कुछ चिड़चिड़ाहट के पीछे कृतघ्नता और अधिकार की भावना छिपी होती है। जब लोग सोचते हैं कि उन्हें जो कुछ भी मिलता है, और वे जिन लोगों से मिलते हैं, और जो कुछ भी भगवान उनके साथ करते हैं, उसके वे हकदार हैं, तो उन्हें लगता है कि भगवान उन्हें बचाकर अपना काम कर रहे हैं। भगवान बस उन्हें क्षमा देकर और कर्ज, अपराध और शर्म को अपने ऊपर लेकर अपना काम कर रहे हैं, जो कि उनका हिस्सा माना जाता है।

और इसलिए उनमें कृतज्ञता की कोई भावना नहीं है। कुलुस्सियों में पौलुस ने कहा कि एक मसीही के लिए, यह एक ऐसा रवैया है जो जीवन जीने के तरीके का हिस्सा होना चाहिए। यही वह रवैया है जो हमें प्रार्थना में परमेश्वर के सामने आने पर अपनाना चाहिए।

यह एक ऐसा रवैया है जो हमारे जीने के तरीके और लोगों के साथ बातचीत का हिस्सा होना चाहिए, कृतज्ञता की भावना। मैंने जीवन में व्यक्तिगत रूप से सीखा है कि मैं उन अच्छे कामों का हकदार नहीं हूँ जो लोग मेरे साथ करते हैं। वे मेरे साथ अच्छा करने के लिए अपने अधिकारों और अपनी इच्छा का प्रयोग करते हैं।

कम से कम मैं रुककर धन्यवाद कह सकता हूँ और कृतज्ञता की भावना दिखा सकता हूँ। और जितना अधिक मैं ऐसा करता हूँ, उतना ही मुझे एहसास होता है कि मैं अपने आप के साथ और लोगों के साथ शांति से रहने की कोशिश करता हूँ, क्योंकि मैं देख सकता हूँ कि वे मुझ तक पहुँचने के लिए क्या-क्या करते हैं। कृतज्ञता की कमी या कृतघ्नता कलह के बीजों में से एक है, और यह समुदाय में सभी प्रकार के विचारों को आमंत्रित करता है जिससे समस्याएँ पैदा होती हैं।

एक चर्च में जहाँ पौलुस ने झूठी शिक्षा के संभावित प्रभाव का उल्लेख किया था, यह महत्वपूर्ण है कि जैसे-जैसे वे प्रार्थना में लगे रहते हैं, सतर्क रहते हैं, वैसे-वैसे वे कृतज्ञता की भावना से भी ऐसा करते हैं। यह पौलुस को विशिष्ट प्रार्थना अनुरोधों की ओर ले जाता है। यदि वे प्रार्थना में लगे रहेंगे, और वे सही दृष्टिकोण के साथ प्रार्थना में लगे रहेंगे, तो उन्हें उनके प्रार्थना समर्थन की आवश्यकता है।

वास्तव में, उसे उनके प्रार्थना समर्थन की आवश्यकता है ताकि सुसमाचार के लिए उसके लिए दरवाजे खुले रहें। मैंने पद 3 से पढ़ा। साथ ही, हमारे लिए भी प्रार्थना करें कि परमेश्वर हमारे लिए वचन के लिए एक द्वार खोले, ताकि मसीह के रहस्य की घोषणा कर सकूँ, जिसके कारण मैं जेल में हूँ, ताकि मैं यह स्पष्ट कर सकूँ कि मुझे किस तरह से बोलना चाहिए। पौलुस विशेष रूप से प्रार्थना समर्थन माँगता है ताकि सुसमाचार के लिए दरवाजे खुले रहें।

क्या आप इस बारे में रुककर सोचना चाहेंगे? यह व्यक्ति सुसमाचार के लिए जेल में है। यह व्यक्ति सुसमाचार के लिए बंद दरवाजों के पीछे है। उसके पास उन लोगों के लिए प्रार्थना अनुरोध हैं जिनके साथ उसे संवाद करने का अवसर मिला।

पहली प्रार्थना क्या थी? प्रार्थना करें कि मैं यहाँ से जल्दी निकल जाऊँ, अभी या कल। या प्रार्थना करें कि मेरा सारा सुसमाचार मर जाए ताकि मैं चुपके से निकल जाऊँ। या प्रार्थना करें कि मेरे मामले के लिए जिम्मेदार मजिस्ट्रेट मर जाए, और वे फाइलें न देख पाएँ, और किसी कारण से, वे मामले को खत्म कर दें, और मैं आज़ाद हो जाऊँ, और तब मैं सुसमाचार का प्रचार कर सकूँ।

नहीं, नहीं। पौलुस अभी भी सुसमाचार के प्रचार के बारे में चिंतित था। जेल के दरवाजों ने उसे नहीं रोका था, और अगर उसके पास भेजने के लिए पहली प्रार्थना थी, तो यह इसलिए था कि सुसमाचार की घोषणा करने के लिए उनके लिए दरवाजे खोले जा सकें।

वह और भी माँगता है, कि वे वास्तव में प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें मसीह के रहस्य की घोषणा करने की क्षमता दे क्योंकि मसीह का यही रहस्य उसे जेल भेजने के लिए जिम्मेदार है। सुसमाचार का संदेश, जैसा कि हम इफिसियों में देखेंगे, यह है कि परमेश्वर ने मानव इतिहास में एक नई घटना का उद्घाटन किया है, एक ऐसी घटना जो उद्धार या यहूदियों के वाचा समुदाय से परे है। कि मसीह यीशु में, परमेश्वर यहूदियों और अन्यजातियों को ला रहा है और उन्हें परमेश्वर के समुदाय में, परमेश्वर के घराने में एकजुट कर रहा है, जैसा कि इफिसियों 2:19 में कहा गया है।

पॉल कहते हैं, प्रार्थना करें कि हम यह घोषणा कर सकें। इसलिए, प्रार्थना करें कि खुले दरवाज़े हों, और जब खुले दरवाज़े हों, तो प्रार्थना करें कि हम अपना मुँह बंद न रखें। बस इसकी कल्पना करें।

कल्पना कीजिए कि आपके चारों ओर जेल के पहरेदार हैं। कल्पना कीजिए कि आप जेल में हैं, भले ही आपको घर में ही नजरबंद क्यों न होना पड़े। कल्पना कीजिए कि आपके पास कितनी सीमाएं हैं।

और अगर आपके पास प्रार्थना के लिए अनुरोध हैं, तो क्या वे पहले दो अनुरोध हैं? पॉल के लिए, वह वही है जिसके लिए उसे बुलाया गया है। यही उसका जुनून है, और कोई भी चीज़ उसे मसीह के मिशन को पूरा करने से नहीं रोक सकती। उसे इस उद्देश्य के लिए प्रार्थना समर्थन की आवश्यकता है।

जब तक वह निर्भीकता से बोलना शुरू नहीं करता और बड़बड़ाने लगता है, तब तक वह प्रार्थना करता है कि वे उसे स्पष्टता से बोलने दें। वाह। वह कुछ भी नहीं चूकेगा, और वह इतनी स्पष्टता से बोलेगा कि कोई अस्पष्टता नहीं होगी।

खैर, शायद हमें खुद से पूछना चाहिए, जैसा कि मैं खुद से पूछना चाहता हूँ, कितनी बार प्रार्थना को मेरे जीवन में इतनी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है? और अगर पॉल प्रार्थना को न केवल कुलुस्सियों के लिए अपनाने या विकसित करने के लिए एक जीवन शैली के रूप में देखता है, बल्कि वह इस क्षेत्र में प्रार्थना की अपनी आवश्यकता को भी समझता है। मुझे प्रार्थना की कितनी आवश्यकता है? और मुझे जीवन जीने और अपने आस-पास की सभी प्रकार की शिक्षाओं, सभी प्रकार के धोखे से दूषित न होने के लिए ईश्वर की कृपा और शक्ति की कितनी आवश्यकता है, यहाँ तक कि 21वीं सदी में भी? पॉल इस प्रार्थना के लिए पूछने के बाद आगे बढ़कर विशिष्ट बातें कहेंगे जिन्हें मैं अंतिम चेतावनी कहता हूँ। आइए कुछ ऐसे कीवर्ड पर ध्यान दें जिन्हें वह यहाँ लाता है।

पद 5 से अपने अंतिम उपदेशों में, वह बाहरी लोगों के प्रति बुद्धिमानी से चलता है। बुद्धि पर ध्यान दें। कुछ अनुवादकों ने इसका अनुवाद किया है; बुद्धिमान बनो।

बाहरी लोगों के प्रति अपने व्यवहार में समझदारी बरतें। इस व्याख्यान में मैंने पहले जिस शब्द की व्याख्या की थी, यहाँ चलने का शब्द, खुद का आचरण करने का शब्द है, न कि सचमुच चलना। समझदारी से काम लें।

प्राचीन यूनानी समझ में बुद्धिमान होना सिर्फ बौद्धिक गतिविधि नहीं है। बुद्धिमान होना जीवन में बुद्धिमानी से चुनाव करने में सक्षम होना है। और इसलिए, बुद्धिमान व्यक्ति न केवल बौद्धिक रूप से बुद्धिमान होता है बल्कि अपने आचरण में भी बुद्धिमानी का इस्तेमाल करता है।

बुद्धि लोगों के व्यवहार और व्यवहार में, निजी या सार्वजनिक रूप से लिए जाने वाले निर्णयों में प्रकट होती है। यहाँ विशेष रूप से पॉल कहते हैं, अपने व्यवहार में बुद्धिमान बनें, अपने जीवन को जीने के तरीके के बारे में अपने चुनाव में बुद्धिमान बनें। मैंने हाल ही में एक जोड़े के साथ एक घटना देखी।

एक युवती अपनी शादी की तैयारी कर रही थी, और उसकी छाती पर कई टैटू थे। जब माता-पिता शादी की पोशाक चुन रहे थे, तो यह स्पष्ट हो गया कि उसकी माँ टैटू से बहुत शर्मिंदा थी। और इसलिए, माँ उनके लिए एक ऐसी शादी की पोशाक पाने की हर संभव कोशिश कर रही थी जो टैटू को ढक सके।

मैं एक मिनट के लिए भी यह नहीं कह रहा कि मैं टैटू के खिलाफ हूँ। लेकिन मैं बस इतना कह रहा हूँ कि यह एक ऐसा फैसला है जो इस लड़की ने लिया है। यह इस बारे में फैसला है कि वह जीवन में क्या निर्णय लेगी।

यह देखना दिलचस्प था कि कैसे जीवन में उसने जो एक खास चुनाव किया, वह उसके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक में उसके और उसकी माँ के बीच भ्रम और दुश्मनी पैदा कर रहा था। मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूँ कि टैटू बनवाना पाप है। यहाँ कुलुस्सियों में यह विषयवस्तु नहीं है।

लेकिन मैं सिर्फ इस तथ्य की ओर इशारा कर रहा हूँ कि पॉल ने ईसाइयों से बुद्धिमान बनने के लिए कहा था। अब, चर्च में उनके व्यवहार में नहीं, बल्कि बाहरी लोगों के प्रति उनके व्यवहार में। यह महत्वपूर्ण है कि बाहरी लोग ईसाइयों के जीने के तरीके में मसीह को पाएँ।

पॉल, बाहर की ओर देखते हुए, बहुत चिंतित है कि दुनिया हमें आदर्श के रूप में न देखे। अब, इस बारे में कोई गलती न करें। पॉल यह सुझाव नहीं दे रहा है कि ईसाई समझौता करें।

नहीं, अगर कुछ भी हो, तो वह वास्तव में यह सुझाव दे रहा है कि ईसाई बाकी दुनिया के लिए उच्च नैतिक मानक निर्धारित करें। अपने आचरण में बुद्धिमानी बरतें। जिस तरह से आप खुद का आचरण करते हैं, वह न केवल आपके और विश्वास करने वाले समुदाय के लिए अच्छा है, बल्कि यह बाहरी लोगों के लिए भी अच्छा है कि वे हमें कैसे देखें।

वह आगे बढ़कर एक और महत्वपूर्ण चेतावनी देंगे। और यह समय के उपयोग के बारे में है। अफ्रीका में, अफ्रीकी समय नाम की एक चीज होती है।

मेरे शब्द या मेरी भाषा के लिए मुझे माफ़ करें। यह मुझे पागल कर देता है। अफ्रीकी समय वास्तविक स्विस समय से एक घंटा आगे है।

इसलिए, हम कहते हैं कि चलो चार बजे मिलते हैं। और यहाँ बाकी सभी लोग पाँच बजे आते हैं। पॉल मसीहियों से कहता है कि वे हर समय, हर अवसर का उपयोग करें।

दरअसल, ग्रीक में इसका मतलब कुछ इस तरह है। यह एक व्यापारिक शब्द है जिसका यहाँ इस्तेमाल किया जाता है। समय खरीदो, समय खरीदो।

समय का लाभ न उठाएँ। समय, अवसर को हाथ से न जाने दें, यहाँ इस्तेमाल किया गया ग्रीक शब्द समय जैसा शब्द नहीं है। यह एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल अक्सर आने वाले कुछ खास अवसरों के लिए किया जाता है।

और वह कहता है, समय का सदुपयोग करो, हर समय का सदुपयोग करो। और समय के साथ खिलवाड़ मत करो। वैसे, क्या तुम यह जानते हो? अगर परमेश्वर हमें अपने सामने यह बताने के लिए रखे कि हमने अपना जीवन कैसे जिया, तो वह हमसे बस एक सवाल पूछ सकता है।

और वह एक सवाल समय प्रबंधन से संबंधित हो सकता है। आपने धरती पर अपना जीवन कैसे जिया? और अगर आप 24 साल के हैं, तो यह इस तरह से शुरू हो सकता है। आप जानते हैं, भगवान, मुझे दिन में आठ घंटे सोना पसंद है।

तो, मैं 24 साल का हूँ, इसलिए मैंने वास्तव में अपने जीवन के आठ साल सोए हैं। और भगवान कहेंगे, हाँ, तो चलो चलते हैं। और आप कहते हैं, ठीक है, मेरे जीवन के कुछ हिस्से के लिए, मैं काम करने जा रहा था, और मेरे जीवन के कुछ हिस्से के लिए, मैं अपने माता-पिता के लिए अन्य काम कर रहा था।

तो, जब मैंने अपने माता-पिता के लिए काम और अपने कार्यस्थल के लिए काम को एक साथ रखा, तो शायद बचे हुए 16 में से, शायद, शायद मैंने अपने जीवन के छह साल काम करने में लगा दिए। ओह, यह प्रभावशाली है। तो अब 10 के बारे में बात करते हैं।

हे भगवान, शायद, शायद मैंने उनमें से पाँच साल कंप्यूटर गेम खेलने और टीवी देखने में इस्तेमाल किए। क्या? मैं कल्पना कर सकता हूँ कि भगवान क्या कर रहे होंगे? आपके जीवन के पाँच साल? यह अतिशयोक्ति होगी। और जाहिर है, यह अतिशयोक्ति थी।

लेकिन इस बारे में सोचिए। पौलुस अपने अंतिम उपदेश में विश्वासियों से कह रहा है कि वे हर उपलब्ध समय का पूरा लाभ उठाएँ। वे कुछ चीज़ों के बारे में गलतियाँ नहीं कर सकते, उन्हें अपने जीवन को जीने और खुद को अच्छी तरह से संचालित करने के लिए बुद्धि की आवश्यकता है, और उन्हें समय का अच्छा उपयोग करने की आवश्यकता है।

फिर वह एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र पर बात करता है: भाषण, जिस तरह से वे बोलते हैं, उनकी बातचीत; आपकी बातचीत हमेशा अनुग्रह से भरी होनी चाहिए। नमक के साथ मसालेदार, आपकी बातचीत और लोगों से बात करने का तरीका अनुग्रह से भरा होना चाहिए। कभी-कभी मैं चाहता हूँ कि जब भी ईसाई मिलते हैं तो यह सच्ची कहानी हो।

लेकिन आप देखिए, पौलुस ने कुलुस्सियों को दी गई अपनी अंतिम सलाह में दिल को छू लेने वाली बात कही है, जो शायद आज हम पर भी लागू होती है। यह महत्वपूर्ण है कि मसीही अपने जीवन जीने के तरीके में बुद्धि का इस्तेमाल करें। और यह महत्वपूर्ण है कि हम समय को गंभीरता से लें।

वैसे, अफ्रीकी समय, प्यूर्टो रिकान समय जैसी कोई चीज़ नहीं होती। समय नाम की कोई चीज़ होती है। पाँच बजे पाँच बजे होते हैं।

और परमेश्वर अपने लोगों से यह अपेक्षा करेगा कि वे यह समझें कि जिसने हमें जीवन दिया है, उसने हमें वे संसाधन दिए हैं जिनकी हमें उस समय का सदुपयोग करने के लिए आवश्यकता है जो उसने हमें दिया है। और जब हम इन तीन क्षेत्रों पर ध्यान देंगे, तो पौलुस कहता है कि यह अंतिम उद्देश्य या उपलब्धि होगी। आप यह जान पाएँगे कि जो लोग आपके पास आते हैं और आपसे प्रश्न पूछते हैं, उन्हें कैसे उत्तर दें।

यहाँ हर कोई भाषा है, चाहे वह बाहरी हो या अंदरूनी, क्योंकि आप अच्छी तरह से तैयार हैं। कोलोसियम में रहने की कल्पना करें। पॉल ने चर्च के भीतर इन सभी मुद्दों के बारे में बात की है।

अब वह अपनी बात समाप्त करने वाले हैं। और फिर वह आपको लगातार प्रार्थना करने के लिए चुनौती दे रहे हैं। और वह आपको सतर्क और कृतज्ञता से भरे रहने के लिए सही रवैया या सही मुद्रा अपनाने के लिए चुनौती दे रहे हैं।

और जब आपने सोचा कि यह सब आपके बारे में है, तो उन्होंने कहा, नहीं। उन्होंने कहा, मेरे लिए प्रार्थना करें। मेरे और मेरी टीम के लिए प्रार्थना करें ताकि हम वह कर सकें जो परमेश्वर हमें करने के लिए बुला रहा है।

हमें आपकी प्रार्थनाओं की ज़रूरत है। और फिर आप सोचने लगे, अरे, शायद, शायद यही है। हम आमीन कहने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा नहीं। इससे पहले कि मैं आमीन कहूँ, हमें उन मुख्य मुद्दों पर बात करनी होगी जिन्हें आप भूल नहीं सकते। अगर आप वह सब भूल गए जो मैंने आपको अब तक सिखाया है, तो आप इसे भी नहीं भूल सकते।

बुद्धिमान बनो। समय का सदुपयोग करो। शालीनता के साथ उचित ढंग से बोलो।

और तुम्हारे शब्द नमक से भरे हों। हम मत्ती में यह अभिव्यक्ति पाते हैं जब यीशु पृथ्वी के नमक होने और स्वादहीन या कड़वे में स्वाद की मिठास लाने वाले व्यक्ति होने की बात करते हैं।

हम यीशु की चर्चा में पाते हैं, मुझे लगता है कि लूका में, कि अगर नमक अपना नमकीनपन खो दे तो यह कितना उपयोगी होगा। दूसरे शब्दों में, ऐसी भाषा या उच्चारण होना जो शिक्षा दे, आशीर्वाद दे, चेतावनी दे और प्रोत्साहित करे। जब आप ऐसा करते हैं, तो जो लोग किसी अन्य

मुद्दे पर आपके पास आते हैं, वे संतुष्ट होकर जा सकते हैं क्योंकि आप उनके सवालियों का अच्छी तरह से जवाब देने में सक्षम हैं।

अब पौलुस अपनी बात समाप्त करके कलीसिया को कुछ ऐसे महत्वपूर्ण लोगों की याद दिलाना शुरू करेगा जिनके बारे में उन्हें जानना चाहिए और कुछ ऐसे महत्वपूर्ण लोग जिनके बारे में अगर उन्हें कुछ पता हो तो वे उसके और उनके लिए मददगार होंगे। उस चर्चा में, मैंने पद 7 से 18 को इन पाँच खंडों में विभाजित किया। एक है पौलुस की उस व्यक्ति के बारे में टिप्पणियाँ जो कुलुस्से को पत्र ले जाने वाला है और दूसरा व्यक्ति जो पौलुस के साथ है।

हम उसके बारे में तब सुनेंगे जब हम जेल के पत्रों में से एक और पत्र प्राप्त करेंगे। और फिर हम पौलुस के अभिवादन को देखेंगे। और फिर हम पौलुस की अपील को देखेंगे कि वे इस पत्र को प्रसारित करें या कम से कम इसे कुलुस्से से 12 मील दूर, लाओदीकिया में भेजें।

फिर, हम उसके एक सहकर्मी से उसकी संक्षिप्त हिचकिचाहट और उसके अंतिम हस्ताक्षर को देखेंगे। तो, आइए उस नोट को देखकर शुरू करें जो उसने उस आदमी के बारे में भेजा था जो पत्र ले जा रहा था। टाइकिकस, कभी-कभी उसका नाम टाइकिकस उच्चारित किया जाता है, आपको मेरे बारे में सारी खबरें बताएगा।

वह एक प्रिय भाई, एक वफादार सेवक और प्रभु में एक साथी सेवक है। मैं उसे इस खास उद्देश्य से भेज रहा हूँ कि तुम हमारी परिस्थितियों के बारे में जान सको और वह तुम्हारे दिल को प्रोत्साहित कर सके। वह हमारे वफादार और प्यारे भाई ओनेसिमस के साथ आ रहा है जो तुममें से एक है।

वे तुम्हें यहाँ जो कुछ भी हो रहा है, सब बताएँगे। इसका मतलब यह है कि पौलुस कह रहा है कि ओनेसिमस और तुखिकुस तुम्हें जेल में हमारी परिस्थितियों के बारे में बताएँगे। और मैं उन्हें संचार के लिए एक खास मिशन के साथ भेज रहा हूँ, ताकि वे तुम्हें कुछ बातें बता सकें।

यदि आप उस संचार को करीब से देखना चाहते हैं, तो आप ऐसा इस तरह से कर सकते हैं: आप देखेंगे कि वह पद 7 में इसका वर्णन कैसे करता है। वे तुम्हें मेरे बारे में सारी खबरें बताएँगे। पद 9 में, वे तुम्हें यहाँ होने वाली हर बात बताएँगे।

फिर, वह बताएगा कि यह क्यों महत्वपूर्ण है। जैसा कि वह आगे कहता है, मैं उसे, तुखिकुस को, तुम्हारे पास इस खास उद्देश्य से भेज रहा हूँ कि तुम हमारी परिस्थितियों के बारे में जान सको और वह तुम्हारे दिल को प्रोत्साहित कर सके। इस आदमी, तुखिकुस को काफी ध्यान मिलता है।

तो, आइए पॉल द्वारा उसके बारे में बताए गए कुछ गुणों पर नज़र डालें। अगर वह पॉल के साथ कोई है और वह लोगों को पॉल का संदेश देने जा रहा है, तो वास्तव में, पॉल यह कहने की कोशिश कर रहा है, मैं चाहता हूँ कि आप इस आदमी पर भरोसा करें। और मैं चाहता हूँ कि आप जानें कि यह आदमी मेरे बहुत करीब है।

और यहाँ, मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ के सम्बन्ध को देखें। पौलुस कह रहा है कि वह यह पत्र किसी को नहीं दे रहा है, बल्कि कोई भी व्यक्ति जो इसे कुलुस्से पहुँचाने जा रहा है, उसे दे रहा है। यह एक महत्वपूर्ण पत्र है जिसे वह एक ऐसे व्यक्ति के माध्यम से भेज रहा है जिसे वह जानता है कि वह भरोसेमंद और ईमानदार व्यक्ति है।

आइए पौलुस द्वारा इस व्यक्ति के बारे में बताए गए कुछ गुणों पर नज़र डालें। उसने कहा कि वह एक प्रिय भाई है। वह एक प्रिय भाई है।

वह आस्था के समुदाय के सदस्यों में से एक है। वह ईश्वर के परिवार में एक भाई है। वह हम में से एक है।

वह आगे कहते हैं कि वह विश्वसनीय हैं। वह एक वफ़ादार मंत्री हैं। वफ़ादार शब्द का मतलब वास्तव में वह व्यक्ति हो सकता है जो अपने विश्वास में दृढ़ है या वह व्यक्ति जो विश्वसनीय या प्रामाणिक है।

तो, आप उस पर भरोसा कर सकते हैं। यह मेरा आकलन है कि टिखिकस कौन है। वह एक ऐसा व्यक्ति है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं और जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं।

वह आगे कहते हैं कि आप जानना चाहते हैं कि वह प्रभु में एक साथी दास, डोलो, सेवक है। हम एक साथ सेवा करते हैं। वह कोई ऐसा व्यक्ति है जो हमारे मिशन को साझा करता है और जो वास्तव में हमारे साथ सेवा कर रहा है।

पॉल आगे कहते हैं कि मैं चाहता हूँ कि आप जान लें कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जिस पर मैं पूरी तरह भरोसा करता हूँ। मैंने उसे आपके पास भेजा है। लेकिन अगर आप सोच रहे हैं कि पॉल इस व्यक्ति के साथ कितनी बार काम करता है? मैं आपको याद दिला दूँ कि पॉल के लेखन में इस व्यक्ति का नाम कितनी बार आता है।

मैं आपको कुछ ऐसा दिखाता हूँ जो इफिसियों 6:21-22 में कुलुस्सियों की परीक्षा के समानांतर है। पौलुस लिखता है, ताकि तुम भी जान सको कि मैं कैसा हूँ और क्या कर रहा हूँ, प्रिय भाई और प्रभु में विश्वासयोग्य सेवक तुखिकुस तुम्हें सब कुछ बताएगा। मैंने उसे इसी उद्देश्य से तुम्हारे पास भेजा है ताकि तुम जान सको कि हम कैसे हैं और वह तुम्हारे दिलों को प्रोत्साहित कर सके। तो, जो आप यहाँ देख रहे हैं वह वही समानांतर मार्ग है।

कुलुस्सियों और इफिसियों में जो कुछ हो रहा है, उसमें बहुत से शब्द एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं। यहाँ तुखिकुस का ज़िक्र किया गया है। यही कारण है कि आप इस व्याख्यान में बाद में देखेंगे कि मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि मुझे लगता है कि पॉल ने कुलुस्सियों को लिखा था, और वास्तव में, पॉल ने संभवतः कुलुस्सियों और इफिसियों और फिलेमोन को लिखा था और संभवतः तुखिकुस और तुखिकुस को रखने के लिए सब कुछ दिया था। कौन जानता है, इफिसुस, जो सिर्फ़ 120 मील दूर है, इन पत्रों को पहुँचाता है।

इस तरह का ओवरलैप होना और संदेश को ले जाने वाला एक ही व्यक्ति होना एक संयोग है, और अगर यह धोखा है, तो यह एक ऐसा धोखा है जिसे सबसे मूर्ख व्यक्ति भी पकड़ सकता है। यही कारण है कि मुझे लगता है कि यह तर्क कि पॉल ने यह पत्र नहीं लिखा है, सच्चाई से बहुत दूर है। मैं आपको एक और घटना की याद दिलाता हूँ जहाँ इस आदमी का नाम दिखाई दिया: तुखिकुस, तीतुस 3.12। यहाँ हम पादरी पत्रों में पाते हैं। जब मैं तुम्हारे पास आर्टेमिस या तुखिकुस को भेजूँ, तो तुम मेरे पास निकोपोलिस में आने की पूरी कोशिश करना, क्योंकि मैंने वहाँ सर्दियाँ बिताने का फैसला किया है।

यह तीतुस के लिए एक निर्देश है। तुखिकुस वह व्यक्ति है जिसे पौलुस भेजना पसंद करता है। क्या आपने पहले ही यह देखा है? वह इस व्यक्ति से प्यार करता है।

किसी तरह, वह उस पर भरोसा कर सकता है। मुझे भी आपको कुछ बताना है। देखिए कि जब वह अपने एक और साथी तुखिकुस से बात कर रहा था, तो उसने इफिसुस के बारे में क्या कहा।

वह 2 तीमुथियुस 4:12 में लिखते हैं, मैंने तुखिकुस को इफिसुस भेजा है। यदि आप मेरे जैसे हैं, तो कभी-कभी आप रुककर पूछते हैं, हम बाइबल में तुखिकुस का नाम बिना भेजे या भेजे शब्द के कब देखते हैं? खैर, आपको यह जानने की ज़रूरत है कि एक महत्वपूर्ण व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं भेजेगा जो उसकी ओर से व्यापार करने के लिए भरोसेमंद न हो। इसलिए मैंने आपको इन सभी उदाहरणों में दिखाया कि कैसे पॉल अपने एक करीबी साथी तुखिकुस का उपयोग कर रहा है।

यह सिर्फ़ इतना ही नहीं है कि वह शारीरिक रूप से स्वस्थ है और यात्रा कर सकता है, बल्कि यह भी है कि उसके पास प्रभु यीशु मसीह के एक भाई, वफ़ादार सेवक और साथी सेवक के गुण हैं जिन्हें वह अपनी ओर से भेज सकता है। वह कुलुस्सियों में एक और व्यक्ति का उल्लेख करता है, ओनेसिमुस। जब आप ओनेसिमुस के उल्लेख को देखते हैं, तो आप देखेंगे कि पौलुस ओनेसिमुस के बारे में क्या गुण बताता है।

ओनेसिमुस उन लोगों में से एक है जिनके बारे में हम आगे जानेंगे। उसका विशेष रूप से श्लोक 9 में उल्लेख किया गया है, और उसके साथ, तुखिकुस, ओनेसिमुस। ओनेसिमुस हमारा वफ़ादार और प्रिय भाई है जो आप में से एक है।

वे तुम्हें यहाँ हुई हर बात के बारे में बताएँगे। ओनेसिमुस वह दास है जिसके बारे में फिलेमोन लिखा गया था। और जब हम फिलेमोन के पास पहुँचेंगे, तो मैं तुम्हें उसके रिश्ते के बारे में और बताऊँगा।

लेकिन मुद्दा यह है कि पॉल ने यह भी उल्लेख किया है कि ओनेसिमस इस चर्च से आता है, और वे उसे जानते हैं। वे उसे समुदाय में जानते हैं, और पॉल उसके साथ तुखिकुस को भेज रहा है। लेकिन पॉल के बारे में कुछ बात पर ध्यान दें, और मुझे उम्मीद है कि आप इससे कुछ सीखेंगे।

पॉल एक ऐसे व्यक्ति हैं जो चाहते हैं कि आप उनके साथ सेवा करने वाले लोगों की सच्ची गुणवत्ता को जानें। उन्होंने तुखिकुस के बारे में ऐसा ही किया, और यहाँ आप देख सकते हैं कि वे

ओनेसिमस का उल्लेख करेंगे। वह चाहते हैं कि आप जानें, चापलूसी के लिए नहीं बल्कि प्रशंसा और सच्चाई के लिए।

और कृपया, कृपया, कृपया, यदि आप इस पाठ्यक्रम का अनुसरण करने वाले नेता हैं, तो क्या आप पॉल के बारे में कुछ सीख सकते हैं ताकि आप अपने साथ काम करने वाले लोगों की सराहना कर सकें? उन्हें बताएँ, क्योंकि ये वे लोग हैं जो पत्र लेकर आए हैं, उन्हें बताएँ कि आप उन्हें कैसे देखते हैं और आप जानते हैं कि उनमें कौन से गुण हैं। पॉल के पास अपने दोस्तों के बारे में कहने के लिए बहुत अच्छी बातें हैं। ज़रा कल्पना करें कि आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम कर रहे हैं जिसे आप जानते हैं कि वह आपके बारे में ऐसी राय रखता है।

आपको कैसा लगेगा? अब जबकि उसने पत्र भेजने वालों का परिचय इन सभी प्रशंसापूर्ण शब्दों के साथ करा दिया है, तो अब वह कुछ लोगों को शुभकामनाएँ भेज सकता है। मेरे साथी कैदियों, मेरे साथी कैदी अरिस्तर्खुस तुम्हें अपना नमस्कार भेजता है, और बरनबास का चचेरा भाई मरकुस भी तुम्हें अपना नमस्कार भेजता है। तुम्हें उसके बारे में निर्देश मिल चुके हैं।

अगर वह आपके पास आता है, तो उसका स्वागत करें। फिर वह आगे कहता है, यीशु, इस यीशु को उस दूसरे यीशु के साथ मत समझो जिसे तुमने अब तक पत्र में देखा है। और पॉल भी नहीं चाहता कि तुम उसे भी गलत समझो।

तो, उसने कहा, तुम जानना चाहते हो, इस यीशु को जस्टस भी कहा जाता है, उसका लैटिन नाम। वह भी नमस्कार भेजता है। परमेश्वर के राज्य के लिए मेरे सहकर्मियों में ये एकमात्र यहूदी हैं।

और वे मेरे लिए सांत्वना साबित हो सकते हैं। इससे पहले कि हम जल्दी से आगे बढ़ें, मैं इस अंश में कुछ बातों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ। आप वहाँ मार्क का उल्लेख देख सकते हैं।

इससे पहले कि पॉल मार्क का ज़िक्र करे, वह इस बात पर ज़ोर देना चाहता है कि अरिस्तर्खुस खास है। वह जेल में था। वह उसके साथ जेल में है।

लेकिन वह नहीं चाहता कि आप सोचें कि शायद मार्क भी जेल में है। इसलिए वह मार्क को अरिस्तारखस से अलग करता है ताकि यह दिखा सके कि आपने वास्तव में उसके बारे में सुना है, और मार्क, जो एक स्वतंत्र व्यक्ति है, आपके पास आने वाला है। इसलिए, जब वह आए, तो उसका स्वागत करें।

आप विकास को देखते हैं और यहाँ पर वह किस तरह से अभिवादन करता है। लेकिन आप एक बहुत ही रोचक बात पर भी ध्यान देना चाहेंगे, या जो मुझे रोचक लगती है। यह यीशु, जिसे हमारा यीशु मसीह के नाम से जाना जाता है, लेकिन जस्टस नामक व्यक्ति, वे उसे जस्टस कहते हैं, जो एक लैटिन नाम है, एक ऐसी जगह पर जहाँ वे ग्रीक भाषी थे।

और पॉल कहते हैं, असल में, ये मेरे साथ सिर्फ यहूदी हैं। यानी, यह आदमी यहूदी है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि पहली सदी में कोई यहूदी आदमी घूम-घूम कर उसे जस्टस कहकर पुकारे? मेरा मतलब है, अगर आप लैटिन संस्कृति को समझते हैं तो यह अलग लगता है।

लेकिन किसी तरह, शायद आंतरिक रूप से, वे उसे यीशु मसीह के साथ भ्रमित नहीं करना चाहते। इसलिए शायद वे कहते हैं, चलो आपको लैटिन समकक्ष या कुछ और देते हैं। मैं बस इसे बना रहा हूँ।

शायद मैं यही सोचता हूँ। शायद नहीं। लेकिन पॉल ने फिर भी उसका ज़िक्र किया।

ध्यान दें कि पौलुस किस हद तक उन लोगों का नाम लेने जा रहा है जो उसके करीब थे। और आप इस नाम को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं, इपफ्रास। उसने उसका ज़िक्र शुरू में ही किया था, और मैंने उसके बारे में शुरुआती व्याख्यानों में पहले ही बता दिया था।

इपफ्रास, जो तुम में से एक है। उसने कहा था कि ओनेसिमुस तुम में से एक है। अब वह कहता है, इपफ्रास, जो तुम में से एक है।

वह मसीह यीशु का सेवक भी है, जिस तरह की योग्यता उसने तुखिकुस के बारे में बात करते समय दी थी। वह नमस्कार कहता है। वह हमेशा किस बात में संघर्ष करता है? आपके लिए प्रार्थना में।

क्या यह पॉल से परिचित लगता है? आप इस बारे में कितनी बार सोचते हैं? पॉल के लिए प्रार्थना कितनी महत्वपूर्ण है? पॉल आपको यह बताना चाहता है कि इपफ्रास सिर्फ एक महान नेता नहीं है जिसने चर्च की शुरुआत की। पॉल कहते हैं कि मैं उसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जानता हूँ जो आपके लिए प्रार्थना में संघर्ष कर रहा है। कुछ खास कारणों से।

ताकि तुम परमेश्वर की इच्छा में दृढ़ रहो। ताकि तुम परिपक्व और पूरी तरह से आश्वस्त हो सको। मैं उसके लिए वचन देता हूँ कि वह तुम्हारे लिए और लाओदीकिया और हिरापोलिस में रहने वालों के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है।

परिचय में, मैंने आपको बताया था कि कुलुस्से, लाओडिसिया और हिरापोलिस के साथ त्रि-नगरों में से एक है। और पौलुस वास्तव में इसे यहाँ हमारे स्मरण में ला रहा है। ये शहर निकटवर्ती हैं।

एक 12 मील दूर है, और पॉल जानता है कि यहाँ क्या हो रहा है। और वह कहता है, आप जानते हैं, इपफ्रास यहाँ बहुत बढ़िया काम कर रहा है। और वह कहता है, आप जानते हैं, इपफ्रास यहाँ बहुत बढ़िया काम कर रहा है।

और फिर उन्होंने हमारे प्रिय मित्र का ज़िक्र किया। बाइबल में जिन लोगों के बारे में मुझे जानकारी है उनमें से एक हैं ल्यूक: ल्यूक, डॉक्टर।

आप यह जानना चाहेंगे। हम ल्यूक के डॉक्टर होने के बारे में बात करते हैं, और हम इसे हल्के में लेते हैं। आपको यह जानकारी कहाँ से मिलती है? आप बस यह जानना चाहते हैं कि यहाँ पॉल हमें बताता है कि वह कौन है और उसका पेशा क्या है।

डॉक्टर। और उन्होंने डेमास का ज़िक्र किया। डेमास शुभकामनाएँ भेजता है।

डेमास एक दिलचस्प किरदार है। क्योंकि डेमास के बारे में हमें 2 तीमुथियुस में बताया जाएगा कि उसने पॉल को इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसे दुनिया से प्यार था। लेकिन, आप जानते हैं, भले ही वह इस स्तर पर कुछ रवैया दिखा रहा हो, लेकिन पॉल को कुछ भी परेशान करने वाला नहीं लगता।

इसलिए, वह अपने आस-पास के कुछ महान लोगों का भी ज़िक्र करना चाहता है। और वह डेमास से पूछता है कि मुझे उसके बारे में क्या जानना चाहिए। लौदीकिया के मेरे भाइयों और बहनों को मेरा नमस्कार।

और निम्फा और उसके घर में चर्च। और फिर आप उस अपील को आगे बढ़ाते हैं। यह पत्र आपको पढ़ने के बाद, मैं चाहता हूँ कि आप इसे लाओदीकिया के चर्च को भेजें।

मैं चाहता हूँ कि दूसरे विश्वासी इसे पढ़ें। मैं चाहता हूँ कि आप इसे दूसरे भाई-बहनों के साथ साझा करें। वाह।

हम पौलुस को कहीं भी ऐसा करते नहीं देखते। लेकिन यहाँ वह पद 16 में जल्दी से कहता है। जब यह पत्र तुम्हें पढ़ा जाए, तो देखो कि इसे लौदीकिया की कलीसिया में भी पढ़ा जाए और तुम भी, बदले में, लौदीकिया से आए पत्र को पढ़ो।

कुछ विद्वानों ने कहा है, ओह, लाओदीकिया को लिखा गया पत्र, वह कहाँ है? और यह सब। और हम इस पर बहुत समय बिताते हैं। खैर, निश्चित रूप से, कुलुस्सियों का पत्र वह पत्र नहीं है।

और इसलिए, हम नहीं जानते कि वह पत्र कहां है। विद्वान इसके बारे में अटकलें लगा रहे हैं। और इस समय, मैं आपको बस इतना बता सकता हूँ कि यह हमारे लिए अटकलों का एक बहुत अच्छा विषय है।

कभी-कभी, विद्वानों को ऐसी चीज़ों के बारे में बात करने में मज़ा आता है जिनका आम लोगों के लिए कोई महत्व नहीं होता। तो, चलिए इसे उनके ऊपर छोड़ देते हैं। या मैं कह सकता हूँ, आप इसे हमारे ऊपर छोड़ दें।

पद 17 में वह कहता है, अर्खिप्पुस से कहो, उसे यह उपदेश दो। मेरे लिए यह वचन उस तक पहुँचाओ। अर्खिप्पुस, ध्यान रखो कि जो सेवा तुम्हें प्रभु में मिली है, उसे तुम पूरा करो।

सरल। और फिर श्लोक 18 कुलुस्सियों को समाप्त कर देगा। श्लोक 18 वास्तव में वह श्लोक है जिसका मैंने आपको पहले उल्लेख किया था जिसे आप वास्तव में देख सकते हैं और कह सकते हैं। यह श्लोक बताता है कि शायद पॉल ने किसी मित्र से उसके लिए लिखने और उसे समाप्त करने के लिए कहा था, या उसने खुद ही पत्र लिखा और फिर अंत में उस पर हस्ताक्षर किए।

लेकिन स्पष्ट रूप से, श्लोक 18 महत्वपूर्ण है क्योंकि हम सोचते हैं कि कुलुस्सियों को किसने लिखा। यदि पौलुस ने कुलुस्सियों को नहीं लिखा, तो जिसने भी इन बातों को वहाँ रखा, यदि कुलुस्सियों के मामले में पौलुस का कोई हाथ नहीं है, तो जिसने भी इन शब्दों को वहाँ रखा, वह बहुत बड़ा झूठा बनने की कोशिश कर रहा है। लेकिन समस्या यही है।

चर्च में ऐसे लोग हैं जो पॉल को जानते थे। आप कुलुस्सियों और कुलुस्सियों के लेखन को चाहे जिस तारीख पर रखें, चर्च में ऐसे लोग हैं जो पॉल को जानते थे। इपफ्रास जैसे लोग हैं, और शायद मुझे यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब मैं प्रार्थना और जस्टस के कुशती पर जोर देने की कोशिश कर रहा था, तो मैं इसके बजाय इपफ्रास का उल्लेख कर रहा था।

मेरा मतलब जस्टस से था। जब ये सभी लोग, इपफ्रास, ओडीसियस जैसे लोग, और फिलेमोन जैसे लोग, जिनके बारे में हम जानते हैं, आस-पास थे, तो हम सुझाव देते हैं कि 10 से 15 साल के अंतराल में, किसी ने एक नकली पत्र लिखा और उसके नीचे यह श्लोक डाल दिया, और उन्होंने इसे चर्च में रख दिया और कहा, हम जानते हैं कि पॉल कौन है, हम जानते हैं कि वह किस बात के लिए खड़ा है, और हम इस तरह के काल्पनिक तत्व पर विश्वास करेंगे जो कोई ला रहा है। मुझे लगता है कि इस पर विश्वास करना मुश्किल है।

इस कारण से, मुझे लगता है कि हमें वास्तव में यह कहना चाहिए कि पौलुस ने कुलुस्सियों को लिखा था, जैसा कि आजकल विद्वानों की बढ़ती संख्या स्वीकार करने लगी है। और मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूँ कि पौलुस ने कुलुस्सियों को लिखा था। उन्होंने कुलुस्सियों को चर्च में झूठी शिक्षाओं की घुसपैठ या उद्भव या विकास को संबोधित करने के लिए लिखा था।

उन्होंने चर्च का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि हर चीज़ को मसीह के इर्द-गिर्द केंद्रित करने की ज़रूरत है। और जब वह उन्हें मसीह के प्रति उस जीवन और प्रतिबद्धता के लिए बुलाता है, तो वह चर्च में झूठी शिक्षाओं के बारे में जो कुछ जानता है, उसे उजागर करता है। वह उन्हें ईसाई जीवन और ईसाई आचरण के बारे में चुनौती देता है।

अंत में जब उन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया, तो उन्होंने इसे इस बात से जोड़ा कि उन्हें अपने घर में कैसे रहना चाहिए ताकि जब वे एकता में, एक उद्देश्य के साथ, मसीह में एक मानसिकता के साथ मिलकर काम करें, तो यह उनके अपने घरों में भी जीवन में परिलक्षित होगा। आखिरकार, चर्च लोगों के घरों में मिलता था। वहाँ से, पॉल उस अध्याय में निष्कर्ष निकालेगा जिसे हमने अभी देखा है।

वह चर्च को प्रार्थना करने, निरंतर प्रार्थना करने, उसके लिए प्रार्थना करने और प्रार्थना को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए कहकर समाप्त करेगा। और फिर भी वह उन्हें अपने जीवन में कुछ महत्वपूर्ण बातों का पालन करने, बुद्धिमान बनने, समय को गंभीरता से लेने, अपने बोलने के तरीके के बारे में सावधान रहने के लिए चुनौती देगा, ताकि वे बाहरी लोगों के लिए अच्छे उदाहरण बन सकें। फिर, वह लोगों का अभिवादन करेगा और उनके विशिष्ट नामों का उल्लेख करेगा, दोनों ही जो पत्र वितरित करेंगे और जो उसके साथ सेवा कर रहे हैं।

कुलुस्सियों पर चर्चा समाप्त करते समय पॉल के बारे में मुझे जो दिलचस्प बातें पता चलीं, उनमें से एक यह है कि वह कितना रुकता है और समय निकालता है और अपने दोस्तों और अपने आस-पास के लोगों के बारे में एक-एक करके सोचता है और उनके बारे में जो कुछ भी जानता है, उसे लिखता है ताकि दूसरे लोग जान सकें। आप यह भी जानना चाहते हैं कि यह सच है। पॉल कुछ लोगों को यह बताने में जल्दी करता है कि वे इतने बुरे हैं कि वह लोगों को उनके साथ घूमना भी नहीं चाहता।

वह ऐसा व्यक्ति है जो कहता है, मैं किसी को फाँसी देता हूँ, मैं किसी को शैतान के हवाले कर देता हूँ। ये कठोर शब्द हैं। लेकिन पॉल वह व्यक्ति भी है जो कहेगा, मैं सही लोगों को जानता हूँ, और मैं उन्हें जानता हूँ कि वे कौन हैं।

और यह महत्वपूर्ण है, मैं आपको सुझाव दूंगा, कि हम इनमें से कुछ ईसाई गुणों को सीखें, अपने आस-पास के लोगों के गुणों का निरीक्षण करें, कृतज्ञता का हृदय विकसित करें, और एक ईसाई जीवन का निर्माण करें जो मसीह में निहित और आधारित हो, केवल मसीह में, मसीह जो सब कुछ है। मुझे उम्मीद है कि कुलुस्सियों पर हमारे साथ आपकी यात्रा अब तक एक सीखने का अनुभव रही है, यदि एक बढ़ने का अनुभव नहीं है। कृपया हमारे साथ बने रहें और जेल पत्रों पर इस बाइबिल अध्ययन श्रृंखला में हमारे साथ सीखते रहें।

जैसे-जैसे हम इस व्याख्यान को जारी रखेंगे, आप पॉल के बारे में, अपने जीवन के बारे में और अधिक सीखना शुरू करेंगे, तथा इस बारे में भी कि आप जिस समाज में रहते हैं, उसमें एक बेहतर व्यक्ति कैसे बनें। हमारे साथ अध्ययन करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, तथा ईश्वर आपको इस समय को निकालने के लिए आशीर्वाद दे।

यह डॉ. डैन डार्को द्वारा जेल पत्रों पर व्याख्यान श्रृंखला में दिया गया व्याख्यान है। यह सत्र 7, समापन, कुलुस्सियों 4 है।